

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2008

प्रश्न पत्र-1

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. ज्योतिष का तार्किक विवेचन करें।
अथवा
देश, काल और पात्र को ज्योतिष में क्यों महत्ता दी जाती है?
2. कर्मों की विभिन्न श्रेणियों को समझाएं।
3. ज्योतिष शास्त्र के कौन से गुण धर्म इसे विज्ञान सिद्ध करते हैं?
4. भाग्य और स्वतन्त्र इच्छा शक्ति की विवेचना कीजिए।
5. निम्न का संक्षिप्त में उत्तर दें :-
(क) ज्योतिष की कोई तीन उपयोगिताएं
(ख) अच्छे ज्योतिषी के तीन गुण
(ग) छः वेदांगों के नाम
(घ) मन्त्रेश्वर, पराशर व कल्याण वर्मा की एक-एक ज्योतिष कृति

भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6. सौर मंडल का चित्र बनाएं व विभिन्न ग्रहों के बारे में संक्षेप में बताएं।
अथवा
पंचांग की महत्ता बताएं।
7. किन्हीं तीन का उत्तर दें :-
(क) चक्री होना क्या है? (ग) धूमकेतु
(ख) कैपलर के नियम (घ) पृथ्वी पर चन्द्रमा का एक ही भाग क्यों दिखाई देता है?
8. किन्हीं चार पर टिप्पणी करें :-
(क) क्रांति वृत्त (ख) क्रांति (ग) भूचक्र
(छ) अयनांत (ड) भोगांश
9. (क) अयनांश क्या है?
(ख) संपात का अयन क्या है, समझाएं।
10. सूर्य ग्रहण को चित्र द्वारा समझाएं।